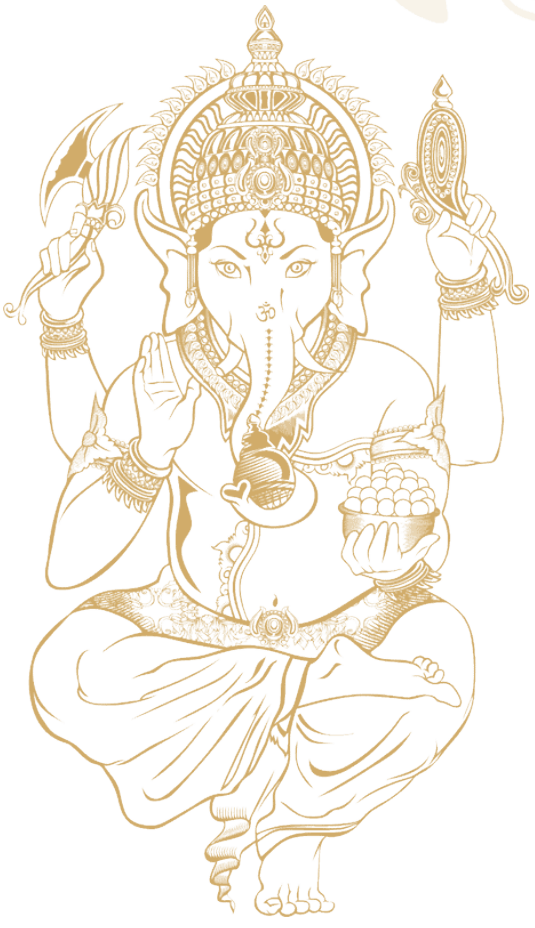

Sudript Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121513605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/02/1997	जन्म तिथि	16/02/1996
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:10:00	जन्म समय	09:30:00 घंटे
घटी 37:45:17	जन्म समय(घटी)	05:58:40 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Panchkula
31:28:00 उत्तर	अक्षांश	30:43:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व	रेखांश	76:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:53	सूर्योदय	07:03:46
18:13:52	सूर्यास्त	18:10:36
23:49:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:18

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 9वर्ष 3मा 4दि	27:38:31	कन्या	लग्न	मीन	23:58:32	शुक्र 4वर्ष 4मा 23दि
बुध	06:15:31	कुंभ	सूर्य	कुंभ	02:57:18	राहु
26/05/2025	25:36:50	मिथु	चंद्र	धनु	23:44:05	11/07/2023
26/05/2042	11:04:38	कन्या व	मंगल	कुंभ	06:43:41	11/07/2041
बुध 22/10/2027	20:28:29	मक	बुध	मक	07:24:41	राहु 23/03/2026
केतु 18/10/2028	12:41:48	मक	गुरु	धनु	15:28:00	गुरु 16/08/2028
शुक्र 19/08/2031	25:35:35	मक	शुक्र	मीन	14:30:47	शनि 23/06/2031
सूर्य 25/06/2032	11:35:26	मीन	शनि	कुंभ	29:57:28	बुध 09/01/2034
चन्द्र 24/11/2033	05:14:23	कन्या व	राहु व	कन्या	24:41:05	केतु 28/01/2035
मंगल 21/11/2034	05:14:23	मीन व	केतु व	मीन	24:41:05	शुक्र 27/01/2038
राहु 10/06/2037	12:15:05	मक	हर्ष	मक	08:12:42	सूर्य 22/12/2038
गुरु 16/09/2039	04:48:21	मक	नेप	मक	02:34:42	चन्द्र 22/06/2040
शनि 26/05/2042	11:41:30	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:12:28	मंगल 11/07/2041

लग्न-चलित

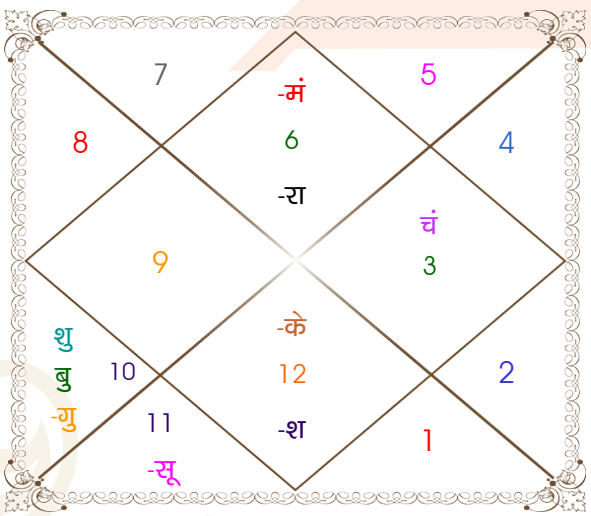

लग्न-चलित

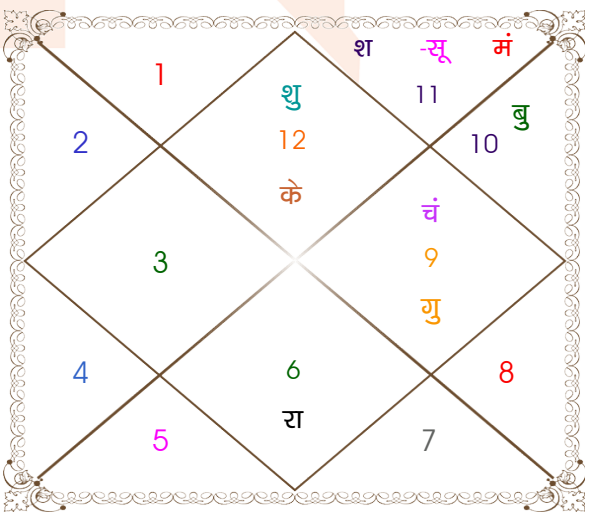

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Sudript का वर्ग मार्जार है तथा ीप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sudript और ीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sudript मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Sudript कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Sudript तथा ीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।